

3. किसी वस्तु का तत्व, सार या सुगंध निकालना जैसे- वह गुलाब का इत्र खींचने में निपुण है 4. चूसना या सोखना 5. चित्रित या अंकित करना 7. कौशल पूर्वक किसी के अधिकार से कोई चीज निकल कर अपने हाथ में करना 8. व्यापारिक वस्तुएँ मंगाना मुहा. चित्त खींचना- मोहित करना; दर्द खींचना- औषध से दर्द दूर करना; खींच-खाँच करना- झटपट टेढ़ा सीधा लिखना; हाथ खींचना- कोई काम बंद करना।

**खींचा-खींची स्त्री.** (देश.) दे. खींचतान।

**खींचातान स्त्री.** (देश.) दे. खींचतान।

**खींचातानी स्त्री.** (देश.) दे. खींचतान।

**खीज स्त्री.** (तद्.) दे. खीझ।

**खीजना अ.क्रि.** (तद्.) झुँझलाना, दुखी और क्रुद्ध होना।

**खीझ स्त्री.** (तद्.) 1. खीझने का भाव, झुँझलाहट, कुढ़न 3. गुस्सा।

**खीझना अ.क्रि.** (तद्.) किसी अप्रिय बात, कार्य या व्यवहार आदि का प्रतिकार न कर सकने पर उससे खिन्न होकर झुँझलाना।

**खीनता (क्षीणता) स्त्री.** (तद्.) क्षीणता, कृशता।

**खीनताई स्त्री.** (देश.) 1. दुर्बलता, 2. सूक्ष्मता।

**खीप पुं.** (देश.) 1. एक प्रकार का घना सीधा पेड़ 2. लज्जालु 3. गंध प्रसारिणी, गंध पसारा।

**खीर (क्षीर) स्त्री.** (तद्.) 1. दूध में चावल डालकर उबालने और चीनी मिलाने से बनने वाला भोज्य पदार्थ पुं. (तद्.) दूध।

**खीर घटाई स्त्री.** (देश.) बच्चे को पहली बार अन्न खिलाने का संस्कार, अन्न प्राशन।

**खीर मोहन पुं.** (देश.) छेने की बनी हुई एक प्रकार की बंगला मिठाई।

**खीरा पुं.** (तद्.) ककड़ी की जाति का एक फल मुहा. खीरा-ककड़ी- अत्यंत तुच्छ, वस्तु देय।

**खीरी स्त्री.** (तद्.) 1. गाय, भैंस आदि के थन के ऊपर का भाग 2. खिरनी का फल।

**खील स्त्री.** (देश.) 1. भुना हुआ धान, लावा 2. कील, काँटा मेख 3. लोंग नामक आभूषण जिसे स्त्रियाँ नाक में पहनती हैं 4. वह भूमि जो जोती जाने से पहले बहुत दिन तक परती छोड़ी गई हो।

**खीलना स.क्रि.** (देश.) पान के बीड़े को तैयार करके तिनका गोदना।

**खीवर पुं.वि.** (तद्.) 1. शूर, वीर, बहादुर 2. मतवाला।

**खीस स्त्री.** (देश.) 1. खिसियाने का भाव, लज्जा 2. अप्रसन्नता, नाराजगी, क्रोध, रोष, गुस्सा 3. ओठ से बाहर निकले हुए दाँत, गिड़गिड़ाकर माँगना 4. घाटा, हानि 5. गाय, भैंस का वह दूध जो ब्याने के पीछे सात दिन तक निकलता है, पेउस या पेवसी वि. (देश.) नष्ट, बरबाद मुहा. खीस काढ़ना- इस तरह हँसना कि दाँत दिखाई दे; खीस डालना- नष्ट होना; खीस निकालना- दीन होकर कुछ माँगना; खीस निपोरना- गिड़गिड़ाना।

**खीसना अ.क्रि.** (देश.) नष्ट होना, खराब होना, बरबाद होना।

**खीसा पुं. (फा.)** 1. थैला, थैली 2. बटुआ, जेब, खलीत 3. आँठ से बाहर निकले हुए दाँत।

**खुंट कढ़वा पुं.** (देश.) कान का मैल निकालने वाला, कन मैलिया।

**खुंडला पुं.** (देश.) 1. टूटा फूटा सामान 2. छोटा झोंपड़ा।

**खुंदवाना स.क्रि.** (देश.) कुचलवाना, दबवाना, रौंदवाना, खूँदाना।

**खुंदाना स.क्रि.** (देश.) 1. खूँदने में प्रवृत्त करना 2. (घोड़ा) कुदाना या कुदाते हुए चलाना।

**खुंभी स्त्री.** (तद्.) 1. कान में पहनने का एक गहना 2. एक वनस्पति या उद्भिज जिसका एक छोटा डंठल होता है, खुंबी, खुमी, (मशरूम), खंभे के नीचे का वह भाग जो ऊपर के भाग से कुछ बाहर निकला रहता है।

**खुँड पुं.** (देश.) 1. एक प्रकार की मोटी घास 2. एक प्रकार का पहाड़ी टट्टू, गुँठा।